

क
ला
श्री
र
जि
न्द
गी



कथाकार:-
अशान्त त्रिपाठी

प्रकाशक :-

आर. एस. त्रिपाठी
सीकर प्रकाशन
८, कृष्णभवन दादीशेठ रोड,
मालाड (पश्चिम) बम्बई.

शाखा :—६९, पुरानी नझाई, झाँसी.

[सर्वाधिकार लेखक के आधीन.]

मूल्य १॥

वितरक :-

शारदा साहित्य कुटीर,
८, कृष्णभवन दादीशेठ रोड,
मालाड (पश्चिम) बम्बई.

मुद्रक :-

मातृभूमि प्रेस, धुलेकर भवन, झाँसी.

अनुक्रम

१ कला और जिन्दगी

२ भूतों का घर

३ आदर्श की लौ

४ ज्वालाओं के तूफान में

५ मिर्जा

६ दानवता का अन्त

७ मुसाफिर

“ अशान्त ” त्रिपाठी

की अमर कृतियां

१ दिल्ली चलो	(काव्य)	१-४-०
२ बापूका बलिदान	(,,)	०-८-०
३ सीकर	(,,)	१-०-०
४ पाथोज	(,,)	२-०-०
५ चेतना के गीत	(काव्य)	२-८-०
६ नई कहानियां	(कहानी)	१-८-०
७ मम लहर	(,,)	१-०-०
८ कला और जिंदगी	(कहानी)	१-१२-०
९ चिंता की लपटें	(,,)	२-०-०

१० नई झलक (उपन्यास) ३-०-०
(दूसरा संस्करण)

११ कलाकार अमर हैं	(उपन्यास)	२-८-०
१२ समाधि का दीप	(,,)	४-८-०
१३ मैं सन्यासी हूँ	(,,)	२-०-०
१४ अमिट लकीरें	(,,)	५-८-०
१५ हरदोल	(उपन्यास)	३-०-०

व्यवस्थापक

आर. एस. त्रिपाठी

सीकर प्रकाशन

८, कृष्ण भवन,

दादाशेठ रोड,

मालाड (बम्बई)

शाखा :

६९, पुरानी नझाई,

झाँसी (यू. पी.)